May-July 2022 Volume - I, Issue – 01

परिषद् संवाद

THE QUARTERLY E-NEWSLETTER

A Newsletter published by Haryana State Higher Education Council for Information Sharing only

संदेश

प्रो. बृज किशोर कुठियाला
अध्यक्ष,
हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद्

सम्पूर्ण भारतवर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तनों की आंधी चलती महसूस हो रही है। अंग्रेजों द्वारा निर्मित और अंग्रेजियत पर आधारित शिक्षा को जड़ से समाप्त करने का अभियान प्रारम्भ हुआ है। पिछले 75 वर्षों में शिक्षा में अनेको परिवर्तनों के प्रस्ताव हुए परन्तु स्वाधीनता से पूर्व बनी व्यवस्था को बनाए रखने के प्रयास भी समानांतर चले और कुछ सीमा तक सफल हुए। शिक्षा में भारत, भारतीयता और भारतपन ढूंढे भी नही मिलता था। समय-समय पर घोषित और अघोषित राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षा की व्यवस्था अपर्याप्त ही नही थी परन्तु अप्रासंगिक भी थी। 2015-16 से पूरे देश में पंचायत स्तर से लेकर संसद तक विमर्शों का सिलसिला प्रारम्भ हुआ जिनमें भारत केंद्रित शिक्षा व्यवस्था बनाने के उपायों पर सहमतियां बनी राष्ट्रव्यापी और आज तक के सबसे बड़े विमर्श के परिणामस्वरूप 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा हुई। नीति की घोषणा से पूर्व ही क्रियान्वयन के प्रयास प्रारम्भ हो गए थे। इसी संदर्भ में हरियाणा राज्य ने 2018 में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद का गठन किया। जिसको राज्य में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था को हरियाणा केंद्रित, राष्ट्र के लिए प्रासंगिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने का दायित्व दिया गया। शिक्षा नीति की औपचारिक घोषणा से पूर्व ही परिषद ने नीति के ड्राफ्ट के मसौदे पर आधारित विमर्श और क्रियान्वयन प्रारम्भ कर दिया था।

परिणामस्वरूप, जब शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजनाएं प्रारम्भ हुई तो यह पाया गया कि कुछ लक्ष्य तो पहले से ही हरियाणा में पूर्ण हो चुके है और कुछ लक्ष्य नीति में निर्धारित समय-सीमा से पहले ही पूर्ण किए जा सकते है। 2020-21 में स्कूल शिक्षा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग ने क्रमश: माननीय मुख्यमंत्री और माननीय राज्यपाल के सम्मुख प्रस्तुत आंकड़ो के आधार पर संकल्प किया कि शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य 2025 तक सम्पूर्ण करेगे। राज्य के सभी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा नीति को तीव्र गति से लागू करने के लिए सक्रियता स्पष्ट दिख रही है। समय-समय पर परिषद भी विमर्शो के माध्यम से दिशा तथा गति तय करने में भूमिका निभा रही है। परिषद ने नवाचारी कार्य योजनाएं भी गढ़ी है। राज्य में होने वाली मुख्य कार्यों और आयोजनों के विषय में सभी हितधारकों को सूचित रखने के लिए परिषद ने परिषद संवाद' के प्रकाशन का शुभारंभ किया। परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को पारस्परिक सूचनाओं का आदान-प्रदान और एक-दूसरे से सीखना और प्रेरणा लेना परिषद् संवाद के माध्यम से संभव होगा। यही अपेक्षा और विश्वास है। इस विषय में हर प्रकार के सुझाव आमंत्रित है।

प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा
उपाध्यक्ष
हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद्

संदेश

हरियाणा की पावन धरा से हमेशा ही उत्कृष्ट मानव जीवन के निर्देश आते रहते हैं। अधिकांश आर्ष साहित्य की निर्मिति भी इसी पावन धरा की गोद में हुई है। इस परंपरा को बनाये रखने में आज के शैक्षणिक संस्थानों की विशेष भूमिका है। उच्च कोटि के अध्ययन-अध्यापन और नूतन ज्ञान के सृजन के पुनीत कर्तव्य निभाने में सभी संस्थान अग्रणी बनेंगे। वे अपनी आंतरिक अकादमिक क्षमताओं और हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के सहयोग और सांमजस्य से भारत के युवाओं के समग्र विकास की दृष्टि से उनमें उज्जवल चारित्र्य के साथ सभी मानवीय और सामाजिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाली क्षमताओं के विकास में सहयोगी होंगे। जिससे वे भारत के गौरव की आधारशिला पर वैश्विक कल्याण के मार्ग को प्रशस्त कर सकें। अस्तु।

K.K. Agnihotri
Advisor
Haryana State Higher Education Council

MESSAGE

HSHEC despite in infancy and yet to grow into its full stature, has been able to contribute in modest way to the overall development of Higher Education in Haryana. CoVID adversely affected human activities all over the world and education has been worst hit. Council turned this adversity into opportunity and kept in touch with the stakeholders through online consultations and the faulty did appreciable work in teaching through online mode.

Before moving ahead, I want to acknowledge and appreciate the admirable work done by Council in playing a pivotal role in continuing to transform and reform the higher education scenario in Haryana. Thanks to the values instilled in the team by the Chairperson- we, as a team, have been able to withstand the uncertainties caused by the pandemic without functions of the Council being hampered.

Over the last 03 months, we have continued to be in touch with stakeholders like State Government, Universities and Colleges for obtaining academic input for policy formulation and perspective planning in order to guide the growth of Higher Education according to the socio-economic requirements of the State.

Now a step forward, the initiative of the Council to bring a newsletter will serve as a window through which an all-round picture of the academic activities, achievements and progress of Council and Higher Education Institutions will be shared with each other.

Best wishes for the success and bright future of "Parishad Samvad".

Governor & CM talked with State Universities VC

A Vice-Chancellors Conference was organized by Council on 14th and 15th May, 2022 in Haryana Niwas, Sector-3, Chandigarh. Hon'ble Chief Minister, Haryana was the Chief Guest for the inaugural session on 14.05.2022 and Hon'ble Governor Chancellor, Haryana was the Chief Guest for the valedictory session on 15.05.2022. State Functionaries and Vice-Chancellors of 15 State Universities participated in the conference. Extensive discussion took place on Financial Management of State Funded Universities; NEP-2020: Status and Planning; Holistic and Value Based Education; Placement, Self-Employment, Entrepreneurship and Incubation initiatives by the Universities; Post Covid & NEP Eco System and matters related to the management of University like administration, exams, teaching, finance etc. Some important decisions taken during the conference are as follows.

Important Decisions

- **Merger of the Higher Education Department and Technical Education Departments.**
- **Departments of Haryana Government to outsource the tasks like research studies, survey, designing, consultancy work, etc. to the Universities.**
- **Each University to fix a day as Alumni day in academic calendar, organize a function (mela) for Alumni association.**
- **Regular monitoring of progress regarding implementation of NEP.**
- **Audit objections pending for more than 03 months in the Universities would be addressed by a Central Committee comprising of a representative each from Finance Department, University concerned and Higher Education Department.**
- **HSHEC to deal with all academic matters of higher education and Dept. of Higher Education & Technical Education to deal with administrative and financial matters.**

3 VARSITIES FROM HARYANA IN TOP 100

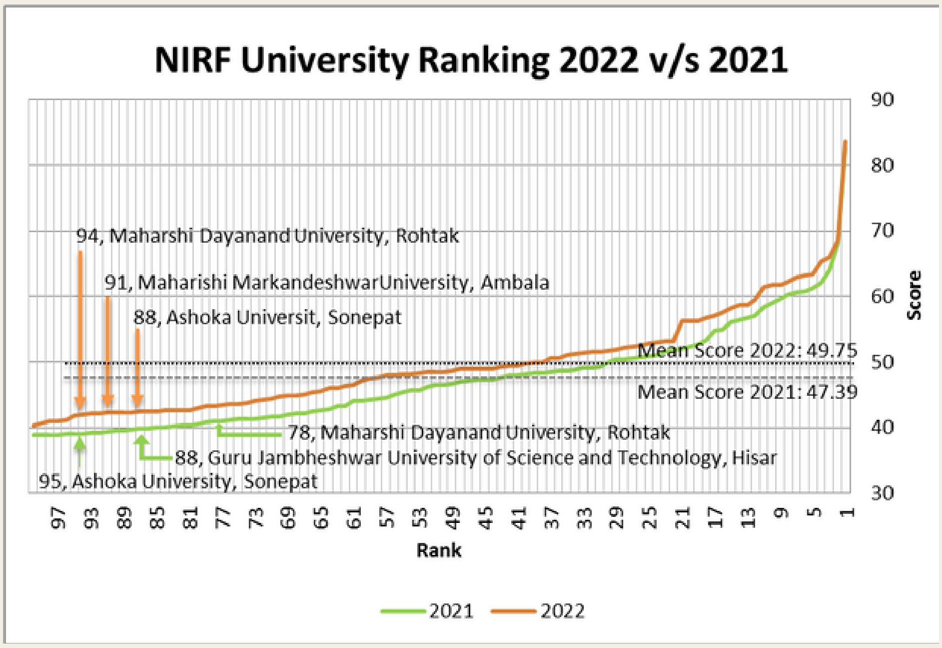

Haryana State Universities and Colleges in the NIRF 2022 Rankings released on 15th July 2022 by Ministry of Education, Government of India. Gurgram's four institutes have made it to top 100.

Three universities from Haryana have found place in the top 100, as per the National Institutional Rankings Framework (NIRF)-2022 released by the Union Ministry of Education. Ashoka University, Sonipat, is placed at rank 88, Maharishi Markandeshwar, Ambala, at 91 and Maharshi Dayanand University, Rohtak, at 94. Among colleges, IC College of Home Science situated in Hisar's Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has been placed at rank 41.

संस्कृत मशीन लर्निंग के सबसे करीब

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के सभागार में 27 मई 2022 को महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल की वर्तमान व्यवस्था और भविष्य की योजना पर बुद्धिमंथन (ब्रेन्स्टॉर्मिंग) सत्र का आयोजन किया गया। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बी.के. कुठियाला ने संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दृष्टि दस्तावेज तैयार करने और अन्य विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय के लिए उठाए जाने वाले कदमों के रूप में निर्धारित करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्कृत मशीन लर्निंग के सबसे करीब है। महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के पास वर्तमान बदलते परिदृश्य में एक आधुनिक दृष्टि होनी चाहिए। उन्होंने सत्र में उस्थित सभी विद्वानों को बताया कि परिषद ने विश्वविद्यालयों को 20 साल के लिए दीर्घकालिक दृष्टि और 3 साल के लिए अल्पकालिक कार्य योजना तैयार करने की सलाह दी है। उन्होंने विश्वविद्यालय से भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण पर शोधकार्य करने का आग्रह किया। सत्र में संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रमेश चंद्र भारद्वाज ने कहा कि पुरातत्व और संस्कृत समुदाय के बीच संचार में अंतर है। सरस्वती नदी के पास के क्षेत्र में वैदिक संस्कृति पर शोध की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रो. राज कुमार मित्तल, प्रो. डी.पी. त्रिपाठी, डॉ. कृष्ण सिंह आर्य, डॉ. देव प्रसाद भारद्वाज, प्रो. राजीव गुप्ता, प्रो. दीन बंधु पांडेय, प्रो. रवि प्रकाश आर्य, प्रो. सुदर्शन सन्निधन शर्मा, प्रो. भीम सिंह, प्रो. सुरेंद्र कुमार, प्रो. लखमी नरसिम्हन, प्रो. ओमनाथ बिमली, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. ए.डी. माथुर, श्री पार्थसारथी थपलियाल, डॉ. कृष्ण चंद्र पांडेय एवं ऑनलाइन के माध्यम से डॉ. अशोक दिवाकर, प्रो. बी.आर. मणि, प्रो. शशिप्रभा कुमार, प्रो. रमेश कुमार पांडे, प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी, एवं प्रो. कामकोटी के साथ परिषद् के सभी अधिकारी उपस्थित थे। सत्र का समापन हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के परमर्शदाता श्री के.के. अग्निहोत्री द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

क्वांटम कम्प्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्लाउड होंगे शैक्षणिक संस्थानों का भविष्य

पंचकुला, 27 जून 2022 । हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने बुद्धिमंथन (ब्रेन्स्टॉर्मिंग) सत्र में विधिक सेवा से जुड़े व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ने विगत चार वर्षों में उत्कृष्ठ कार्य किया है। आने वाले समय में वहां से न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायाधीश आदि तैयार होकर समाज में आयेंगे। उनके लिए बेहतर परिवेश उपलब्धन कराना हम सभी का दायत्वि है। बुद्धिमंथन सत्र में विश्वविद्यालय के बेहतरी के लिए विधिक सेवा से जुड़े व्यक्तियों के समक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अर्चना मिश्रा द्वारा विजन डाक्यूमेंट प्रस्तुत किया गया। इस सेशन में न्यायिक व्यवस्था से संबंधित अधिकारी, अधिवक्ता, सेशन जज, कानून विभाग के प्रोफेसर आदि शामिल थे। सत्र में परिषद् के उपाध्य प्रो. कैलाशचंद्र शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया । अंत में परिषद् के परामर्शदाता श्री के के अग्निहोत्री ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

बेहतर परिवेश उपलब्ध कराना विवि का दायित्व

पंचकुला, 06 जुलाई 2022। अकादमिक संस्थानों को प्रोफेशनल संस्थानों से एक कदम आगे होना चाहिए। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में भविष्य के लिए अवसर पर कार्य करने करने यह बेहतर समय है। उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थी आने वाले कल को समाज में नेतृत्व देने के लिए तैयार हो रहे है। उन्हें सही दिशा में ले जाने का कार्य विश्वविद्यालय का है। उक्त बातें हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष परिषद् कार्यालय सभागार में 06 जुलाई 2022 को आयोजित गुरूग्राम विश्वविद्यालय के बुद्धिमंथन (ब्रेनस्टॉर्मिंग) सत्र में कुलपतियों, प्राध्यापकों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के साथ विकसित हो रहे क्षेत्रों के लिए भी कौशलयुक्त संसाधन का प्रबंधन करना विश्वविद्यालयों का कार्य है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित बुद्धिमंथन सत्र में विश्वविद्यालय के बेहतरी के लिए विश्वविद्यालयों के कुलपति, आचार्यों, औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों एवं वैज्ञानिकों के समक्ष विश्वविद्यालय के दृष्टि दस्तावेज को प्रस्तुत की। प्रो. कुमार ने विद्वानों से प्राप्त सुझावों को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय के विकास को ध्यान में रखने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस सत्र से विश्वविद्यालय के लिए नई दृष्टि प्राप्त हुई है और इसको लागू कर विश्वविद्यालय के विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। सत्र की शुरुआत में परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाशचंद्र शर्मा ने सत्र की आवश्यकता एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सत्र के अंत में परिषद् के परामर्शदाता श्री केके अग्निहोत्री ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में आए नूतन बदलाव पर आधारित परिषद् की दो पुस्तकों का किया विमोचन

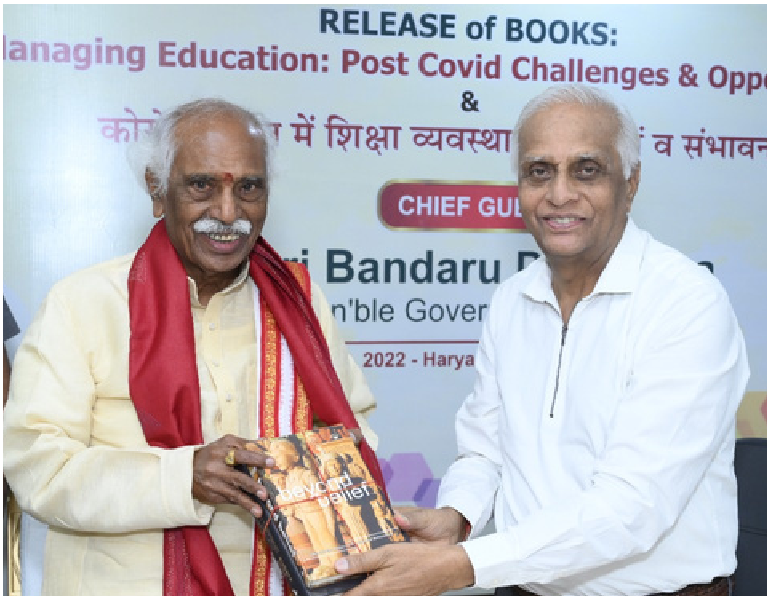

पंचकुला। 10 जून । हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार,10 जून को हरियाणा निवास में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दो पुस्तकों 'Managing Education Post Covid: Challenges & Opportunities' और 'कोरोना काल में शिक्षा व्यवस्था चुनौतियां एवं संभावनाएं' का विमोचन किया। समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि कोविड महामारी के संकट ने हमें शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के लिए भी प्रेरित किया है। कोविड से उत्पन्न हुई बाधाओं को दूर करने के लिए दुनिया के अनेक शिक्षण संस्थानों ने नई खोज शुरू कर दी थी। इन दोनों पुस्तकों का सृजन इसी का परिणाम है। राज्यपाल ने कहा कि परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में कोविड के समय शिक्षा प्रबन्ध व डिजिटल शिक्षा प्रणाली की सार्थकता के बारे में लेखों को छापा गया है। ये पुस्तकें हरियाणा की ही नहीं बल्कि पूरे देश की शिक्षण संस्थाओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हमने प्रतिकुलता में अनुकूलता बनाए रखना सीखा है। इसी के चलते शिक्षण संस्थाओं में डिजीटल माध्यमों से अपनी शिक्षा को जारी रखा और विद्यार्थी भी जुड़े रहे। शिक्षक वर्ग ने नए डिजिटल माध्यमों को अपनाकर शिक्षा के क्षेत्र में नई शुरूआत की। इस काल में लोगों ने नए विचार, आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर नए अविष्कार हुए हैं। श्री दत्तात्रेय ने साहित्य से जुड़ी हस्तियों को बधाई देते हुए कहा कि इस काम में हमने आपदा में अवसर ढूंढे हैं और अपनी रचनाओं का सृजन किया है। आज पुस्तकों का प्रकाशन होना उनकी सृजन शक्ति का ही परिणाम है। इस अवसर पर पुस्तकों के संपादक एवं हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृजकिशोर कुठियाला ने कहा कि कोरोना काल में धन नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाएं काम आई और इन संवेदनाओं के चलते विश्व ने भारत से सीखा है। इस दौर में शिक्षा की सामूहिक चेतना परिवर्तित हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का हमने सीखने और सिखाने पर प्रयोग किया है जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। प्रो कुठियाला ने कहा कि आज कोरोना संकट के दौर में ऑनलाइन शिक्षा के जरिये शिक्षा के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। कोरोना जैसी विषम परिस्थिति से शीघ्र निकलने के लिए शिक्षकों ने कई नये अभिनव प्रयोग किए है। कार्यक्रम में पुस्तकों का परिचय प्रो. राजीव कुमार ने दिया और प्रदेश के आमंत्रित लेखकों ने अपने अनुभव व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में परिषद के परामर्शदाता केके अग्निहोत्री ने सभी आगतों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन परिषद् में सहायक प्राध्यापक डॉ. अमरेन्द्र कुमार आर्य ने किया। इस अवसर पर दोनों पुस्तकों में निबंध लिखने वाले लेखकगण एवं शहर के वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे।

UGC to let 900 autonomous colleges offer online degrees

RESHAPING HIGHER EDUCATION

UGC (Open and Distance Learning Programmes and Online Programmes) Regulations, 2020 (Amendment)

900 autonomous colleges will also be able to offer courses & degrees on online mode from July 2022

- Colleges/ higher education institutions, apart from universities in top 100, in top in respective category twice of the preceding three NIRF rankings eligible
- Colleges/ higher education institutions having NAAC grade of minimum 3.3 will also be eligible
- Colleges/ higher education institutions need not be running the course in conventional mode to be offered in online mode
- Admission criteria for UG programmes is senior secondary pass
- Admission criteria for PG programmes is under graduate degree pass
- Students can earn credits & deposit them in Academdmic Bank of Credit from other than parent college
- Students can make multiple exit & entry
- Students enrolled in online programmes will have digital access to library resources
- Colleges will be free to decide on minimum attendance required for online classes as against mandatory 75% for in-classroom programmes
- Course curriculum, credit structure & learning outcome for online programmes to be same as that conventional programmes
- Two mode of examinations —online proctored or NTA to conduct computer based semester exams

CURRENTLY

59 higher education institutions are offering 351 UG & PG programmes

Discipline wise

Science 50%

Arts/ Humanities 35%

NO NOD FROM UGC NEEDED

- Class 12 & UG pass will be eligibility criteria for admission to UG & PG courses
- Colleges will not need to take prior approval of the UGC
- Evaluation will be done via online proctored exam or computer-based test by National Testing Agency
- No distinguishing between online & conventional degrees
- 75% attendance for online programmes will not be mandatory
- New regulations for online programmes to be notified in March this year

"If we stick to only universities, it becomes limited. There are a large number of high-quality autonomous colleges in the country. This will enhance access for learners...

—M JAGADESH KUMAR, UGC CHAIRPERSON

Training on soft skills completed

Kaithal: A two-month training programme on soft skills in banking sector by the Department of Commerce, RKSD College, Kaithal, concluded. In this programme, 30 students of Commerce Department were trained about banking facilitators and correspondents in the banking sector (BCBF). Chief General Manager, Haryana Regional Office of Nabard Bank from Chandigarh, Deepa Guha was the special guest. Officiating principal Satbir Mehla welcomed the chief guest. Guha in her address stressed upon the students to take advantage of this training and find employment opportunities in the field of banking and develop soft skills which would prove to be helpful to the students in their career development in future.

Awareness on latest technologies

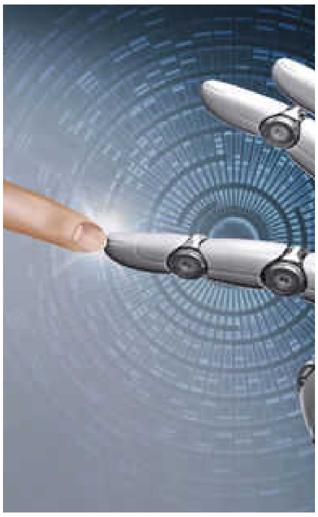

Ambala: With an aim to create awareness on the latest technologies among students and make them industry ready, the Ambala College of Engineering and Applied Research (ACE) Alumni Association organised an interactive session on "Revolutionary technologies for a better world". The session was moderated by Paresh Patel, president and CEO, System-Level Solutions (India) private ltd. (SLS), who is also an adviser to ACE. Paresh Patel covered various domains in which SLS is working. Dr Ashawant Gupta, director of the college, informed that students from different branches participated in the session and their doubts were answered.

Jat College to introduce new courses

Rohtak: All India Jat Heroes Memorial College would introduce five new postgraduation (PG) courses from the new academic session as the Department of Higher Education has accorded approval for the same. Dr Mahesh Khayalia, Principal, said, "These courses include MA (Hindi), MA (History), MA (Yoga), MSc (Zoology) and PG diploma in yoga. Besides, the department has also permitted the college to enhance seats in MSc (Botany), MCom, MA (Geography), MA (English) and BSc (Sports Science)." "The college is already running 10 PG courses," informed Dr Jasmer Hooda, head, Journalism and Mass Communication Department

MoU for teaching German signed

Faridabad: The centre for entrepreneurship and skill development cell of Aggarwal College, Ballabgarh, has signed a memorandum of understanding (MoU) with Yes Germany, Crown Plaza, Faridabad. The objective of the MoU is to motivate and train students in the German language. College principal Dr Krishan Kant said the MoU would provide opportunities for students to undertake courses in German language in the college.

Placement drive conducted

Yamunanagar: A placement drive was held at the Guru Nanak Khalsa Group of Educational Institutions, Yamunanagar, by HDFC Sales Pvt Ltd. Dr (Major) Harinder Singh Kang, principal of Guru Nanak Khalsa College, Yamunanagar, welcomed the gathering. Dr Rajinder Singh Vohra, head, Training and Employment Cell of the college, introduced those participating in the drive. The principal further said seven students were selected. Randeep Singh Jauhar, president, governing body of the Guru Nanak Khalsa Group of Educational Institutions, Yamunanagar, congratulated the students on their selection.

Faculty development webinar

Kaithal: The department of economics of the and IQAC Cell of RKSD College, Kaithal, organised a two-day faculty development webinar in collaboration with Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani, which was inaugurated by Vice-Chancellor Professor Rajkumar Mittal on 'National Education Policy 2020: Role of teacher'. Prof Suraj Walia introduced the topic in brief. Principal Sanjay Goyal spoke about the relevance of the topic. Pro. Mittal in his speech described the new education policy as important and how it would be implemented in achieving its objectives would be important.

All Universities Should Provide Education From KG To PG: Haryana CM

The chief minister was addressing a two-day conference of vice-chancellors of universities in haryana Niwas on May 14, 2022. The conference on education policy, self-employment and management was organised by the Haryana State Higher Education Council.

Haryana Chief Minister Manohar Lal Khattar said all universities in the state should make education available from kindergarten level to postgraduation. Batting for quality education under one roof, he said the fee of poor children studying in these universities will be paid by the government.

Chief Minister Mr Khattar said a new scheme will soon be introduced under which the government will pay the fee of the children belonging to families having verified annual income less than Rs 1.80 lakh. Under the new education policy, the MDU, Rohtak; Kurukshetra University and Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur, have started providing education from KG-level to PG under one roof. Remaining universities of the state should also work at a fast pace to provide education on the same pattern so that every youth of the state has access to higher education easily under one roof, said the Haryana CM. Mr Khattar said the employment-oriented programmes should be formulated in universities and computer education should be made compulsory so that in the present era of technology, every youth is proficient in computers. The youth should be imparted employment-oriented education so that they get jobs after completing education. He said technical education and higher education departments would be merged to impart quality education to the youth. This will also reduce the unnecessary burden on the government and the youth will be able to get quality technical and higher level education, said the CM. The chief minister said an emphasis should be laid on making the universities of the state financially robust and self-sufficient so that they do not depend on government grants. He said the government hires agencies from outside for the work of consultants, surveys. In future, such work will be given to universities, he said, adding that it will increase their income.

KU signs MoU with ICSI

Kurukshetra: Kurukshetra University signed an MoU for academic collaboration with the the Institute of Companies Secretaries of India (ICSI). Vice-Chancellor Prof Som Nath Sachdeva congratulated the department of commerce for this initiative and said developing professionalism in the students was the need of the hour so that they became employable. For this, academia-industry linkages are needed and the MoU between the KU and ICSI will help in developing professional skills. He said the MoU opened the vistas for students for internship with ICSI, which was an essential component of the National Education Policy, which was being implemented by the university from the current session. The president of the ICSI, Devendra V. Deshpande said such an MoU had been signed with 16 IIMs and 90 leading universities of the country.

Gurugram varsity to offer new courses

Gurugram: Gurugram University will offer a number of new courses from the new session 2022-2023. The New Education Policy 2020 will be the basis for all these courses. Professor Dinesh Kumar, Vice-Chancellor of Gurugram University, stated that the Haryana Government was dedicated to fully implementing the new National Education Policy across the state by 2025. He said the department of engineering and technology would offer BTech computer science engineering (Internet of things), B.Tech computer science engineering (cyber security), BTech in electronics engineering (VLSI design and technology), and a diploma in IC manufacturing with the upcoming session.

Scientists at Shri Krishna Ayush University, Kurukshetra, claim to identify herbs to fight Covid

Scientists of Shri Krishna Ayush University have claimed to identify two ayurvedic herbs that can fight the Covid virus. They have applied for patents on the tablet and syrup formulations of 'sugandha bala' and 'khus' medicinal plants. Dr Rajni Kant and his team of the Research and Innovation Department of the university have claimed to identify medicinal plants 'sugandha bala' and 'khus', traditionally used in the treatment of other diseases, have shown antivirus activity against the SARS-Cov-2 (coronavirus) strain. Both plants could be helpful in the treatment and prevention of Covid in future, the scientists said. A team of Dr Rajni Kant, and Dr Naveen Kumar, Principal Research Scientist, National Institute of Equine Virology Laboratory, was constituted by Vice Chancellor Dr Baldev Kumar. The pre-clinical investigation of 12 medicinal plants was done by the team on the SARS-Cov-2 strain.The research work was supported by Dr Manish Kumar, Dr Preeti, Aditi Sharma and Rahul Gupta.

Three-day training program

Kurukshetra: "Unnat Bharat Abhiyan (UBA) is one of the major programmes of the Ministry of Human Resource Development designed to enrich rural areas of India. Its main objective is to build an educated, capable, healthy, prosperous and self-reliant India," said Prof Virender Kumar Vijay, national coordinator, UBA. He was speaking as the chief guest at the inauguration of the three-day training programme on "Residential master instructors in community based participatory research (CBPR)" under UBA 2.0 sponsored by the University Grants Commission, New Delhi, and Northern Regional Centre of Kurukshetra University, in the Senate Hall of Kurukshetra University.

PROGRAM ON NATIONAL EDU POLICY

Sonepat: A programme on the topic "Implementation of National Education Policy in the field of law: Challenges and solution" was organised at Dr BR Ambedkar National Law University. Chief guest Professor Kailash Chand Sharma, Vice- Chairman, Haryana State Higher Education Council said the National Education Policy 2020 has been brought to keep the country's education system effective according to the demand and need of the time. This education policy will pave the way for transformational reforms in schools and higher educational institutions in the country.

स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में जीविकोपार्जन के उपायों का समावेश

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् ने स्नातक स्तर की शिक्षा में जीविका-उपार्जन के व्यायवहारिक पक्ष एवं मानवीय मूल्यों के समावेश के प्रयास किए हैं। इस निमित्त विभिन्न विषयों एवं संबंधित अनुभवी अध्यापकों के साथ 12.04.2018 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्राप्त सुझावों पर गहन विमर्श हेतु परिषद् कार्यालय में 04-05 फरवरी, 2019 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 21 विषयों के 32 विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की। संगोष्ठी में स्नातक स्तर पर पढ़ाये जा रहे हर विषय में जीविका उपार्जन के तत्व को समावेशित करने वाले दस ऐसे कार्यों को चिन्हित किया गया जो युवा वर्ग के लिए आजीविका के माध्यम बन सकें। तत्पश्चात् हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा सभी विषयों में जीविकोपार्जन के दस-दस बिंदुओं को एक पुस्तिका के रूप में संकलित किया गया है। युवा पीढ़ी इन विषयों से जुड़े दस-दस कार्यों में से कोई दो या चार कार्यों का प्रशिक्षण प्राप्त कर जीविका उपार्जन में सक्षम हो सकते है।

पुस्तिका की प्रति https://hshec.org/uploads/transfer/1616904036Livelihood_Report.pdf से प्राप्त की जा सकता है। परिषद् के बारे में विशेष जानने के लिए भी वेबसाइट hshec.org पर भ्रमण करें।

सोशल मीडिया: करणीय

- ☑ अपने लिए भी सोशल मीडिया पर समय बिताने का एक समय तय करें।
- ☑ अकाउंट की सिक्योरिटी के लिए टू-स्टेप वेरीफिकेशन प्रक्रिया को अपनाएं।
- ☑ आप समय-समय पर अपना अकाउंट लॉग आउट एवं पासवर्ड रिसेट करते रहें।
- ☑ असंदिग्ध गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले पोस्ट को रोकने के लिए ब्लॉक या रिपोर्ट के ऑप्शन का उपयोग करें।
- ☑ सोशन मीडिया पर चौटिंग करते समय एंड टू एंड इनक्रिप्टेड सुविधा को स्वीकार करें।
- ☑ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते समय फोटो लॉक करें।
- ☑ अचनाही गतिविधियों से बचने के लिए टैगिंग लॉक का विकल्प स्वीकार करें।
- ☑ अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल को सुरक्षित रखने के लिए सिक्योरिटी क्वेश्चन का चुनाव करें।
- ☑ समय-समय पर ब्राउजर हिस्ट्री को डिलिट/अपडेट करते रहें।
- ☑ सोशल मीडिया पर लिखते समय शब्दों का चुनाव सोच-समझ कर करें।
- ☑ वीडियो-स्ट्रीमिंग ऐप्स और साइट्स का उपयोग करने में सावधानी रखें।
- ☑ किसी अन्य व्यक्ति के बारे में व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक रूप से पोस्ट करने या भेजने से बचे।
- ☑ बच्चों को तकनीक एवं डिजिटल डिवाइस एवं उसे उपयोग करने के बारे में सकारात्मक रूप से जानकारी दे।
- ☑ कट्टरपंथ और अतिवाद को बढ़ाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्म से दूरी बना कर रखें।
- ☑ सोशल मीडिया और मैसेजिंग सेवाओं में साइबरबुलिंग से सावधान रहें।
- ☑ सोशल मीडिया में सकारात्मक विचारों का प्रचार-प्रसार करें।
- ☑ किसी भी सामग्री को शेयर करने से पहले प्रामाणिक स्रोत से पुष्टि कर लें।
- ☑ सोशल मीडिया पर प्रस्तुत लाइव एड पर क्लिक या लाइक में सावधानी बरतें।
- ☑ देवी-देवताओं के चित्रों का बेवजह उपयोग से बचें।
- ☑ सोशल मीडिया पर प्रचारित-प्रसारित सूचना को जांचने-परखने के बाद ही स्वीकार करें।
- ☑ फोटो शेयर करने से पहले संबंधित व्यक्ति की सहमति लें।
- ☑ ऐसे संदेश शेयर करें जो आपात स्थितियों में जान बचा सकते हैं।
- ☑ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से समय-समय पर जारी नियमों से अपडेट रहे तथा इनका पालन करें।
- ☑ सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने वाले समूहों को ब्लैकलिस्ट करें या रिपोर्ट कर ब्लॉक करवायें।
- ☑ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले यह सोचें कि इस पोस्ट को आम लोगों को क्या जानकारी मिलेगी।
- ☑ सोशल मीडिया में सकारात्मक विचारों का प्रचार-प्रसार करें।

सोशल मीडिया: अकरणीय

- ☒ सोशल मीडिया में अनजान लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने और स्वीकारने में जल्दबाजी न करें।
- ☒ सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निजी पलों की तस्वीर शेयर न करें।
- ☒ अपने प्रोफाइल को ज्यादा हाईफाई न बनायें ।
- ☒ थर्ड पार्टी ऐप्स के प्रति सतर्क रहें। अनजान ऐप्स को इंस्टॉल करने से बचें।
- ☒ कभी किसी से अपना पासवर्ड, सिक्योरिटी कोड और ओटीपी शेयर न करें।
- ☒ इंटरनेट पर या किसी ऐप्स पर कोई भी असामान्य गतिविधि होने पर प्रामाणिक वेबसाइट पर ही रिपोर्ट करें।
- ☒ किसी भी वेबसाइट पर अपनी कोई भी प्राइवेट इंफॉर्मेशन किसी से शेयर न करें।
- ☒ एक ही ब्राउजर पर पर्सनल अकाउंट उपयोग न करें।
- ☒ कट्टरपंथ और अतिवाद को बढ़ाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट को फारवर्ड नहीं करें।
- ☒ सोशल मीडिया पर प्रचारित एवं प्रसारित सूचनाओं पर आंख बंद कर भरोसा नहीं करें।
- ☒ भ्रामक पोस्ट फॉलो करने से बचें। पोस्ट की सत्यता जाने बिना फॉरवर्ड नही करें।
- ☒ वीडियो-स्ट्रीमिंग ऐप्स और साइट्स का उपयोग करते समय अंतरंग रूप से अपने आप को प्रस्तुत नहीं करें।
- ☒ फॉरवर्डिंग संदेश को प्रोफेशनल समूह में भेजने से बचें।
- ☒ सोशल मीडिया पर गेम प्ले से बचें।
- ☒ सोशल मीडिया के ज्यादा उपयोग से डिप्रेशन, चिंता और सामाजिक रूप से आपके अलग थलग होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए सोशल मीडिया की लत से बचें।
- ☒ सोशल मीडिया पर ज्यादा वाद-विवाद न करें।
- ☒ सोशल मीडिया पर प्रचारित-प्रसारित सूचना को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें।
- ☒ समाज की शांति भंग करने वाली कोई भी बात शेयर न करें।।
- ☒ किसी को भी अपशब्द व गाली देने वाली कोई भी पोस्ट शेयर न करें।
- ☒ फेक न्यूज शेयर न करें ।
- ☒ पोर्नोग्राफी को बढ़ावा देने वाली कोई भी पोस्ट लाइक व शेयर न करें।
- ☒ सोशल मीडिया में हर जगह स्वयं को स्थापित/ शामिल करने का प्रयास न करें।
- ☒ समाज या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कोई भी पोस्ट शेयर न करें।
- ☒ सोशल मीडिया पर सभी विषयों के जानकार/विशेषज्ञ बनने का प्रयास न करें।
- ☒ हर ट्रेंडिंग वार्तालाप या हैशटैग में शामिल न होने की आवश्यकता महसूस न करें।
- ☒ महिलाओं से जुड़े अपराधों में उनकी पहचान न उजागर होने दें।
- ☒ न्यायपालिका और उसके निर्णयों पर टिप्पणी करने से बचें।

संपादक: डॉ. अमरेन्द्र कुमार आर्य, संपादकीय सहयोग: श्रीमति राधिका प्रजापति, श्री अपूर्व पांडेय

प्रकाशक: प्रकाशन विभाग, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद्, संपर्क- 9584557055, इमेल- aphshec@gmail.com